rection—I checked it yesterday—340 copies of the 'Dhondo Keshav Karve' were sold. As I said at the outset, it is true that some of the publications in the regional languages are not sold as much as they should sell. I am sorry, the number of copies sold of the 'Dhondo Keshav Karve' are 464. And the bulk copies were received in September, 1984.

श्री प्यारेलाल खंडेलवाल : छपी कितनी हैं ?

SHRI V. N. GADGIL: The number of copies printed was 10,000.

SHRI R. MOHANARANGAM: Out of 10,000 only 460 are sold.

श्री प्यारेलाल खंडेलवाल : मेरे सवाल का जवाब नहीं मिला ।

उपसभापति : जवाब आ गया है ।

श्री प्यारेलाल खंडेलवाल : आल्हा ऊदल की जीवनी कितनी छपी इस का जवाब नहीं दिया ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Smt. Krishna Kaul.

SHRIMATI KRISHNA KAUL: May I know from the hon. Minister whether the Publications Division has brought out any compilation of the biographies and the speeches of the national leaders of the Freedom Movement and if so, what are the names of such leaders and also the names of those whose biographies and speeches are proposed to be brought out during the current year?

SHRI V. N. GADGIL: There is a series called the 'Builders of Modern India'. About 60 of them are published, and 25 are under process.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 262.

Recognition of trade unions through election by secret ballot

*262. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:†
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government propose to amend the Industrial Disputes Act for according recognition to trade unions on the basis of elections through secret ballot; and

(b) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI T. ANJAIAH): (a) and (b) Adoption of secret ballot or check-off has far-reaching consequences. The Government have not taken a decision on this issue so far.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam Chair-person, although the voice was totally inaudible to me but as it appears from the written answer the Minister stated that there are far-reaching consequences to the adoption of secret ballot; that is the first sentence which I could hear. My first supplementary to the Minister concerned is when in India from Panchayat to President everybody is elected through secret ballot, when the statutory committees in the factories like provident fund committee, works committee, even, Madam, the canteen committee, which will decide the menu, is also elected through secret ballot, even when the present Labour Minister when he was the Chief Minister of Andhra Pradesh and Labour Minister, he himself had decided on secret ballot and it is still going on there, then what can be the reason for him telling like this taht there will be far reaching conse-

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Gurudas Das Gupta.

quences if secret ballot method is adopted as the basis of recognition of trade unions in the country especially when the Government is speaking of peaceful industrial relations?

श्री टी० अंजैय्या : उपसभापति जी, अभी आनरेबल मैम्बर ने सीक्रेट बैलट के बारे में ज़िक्र किया है । यह तमाम सैंट्रल ट्रेड यूनियंस के अन्दर कुछ एग्र मेंट होना चाहिए । तभी हम लोग इसको कैबिनेट में ले जाने की सोच सकते हैं । इससे पहले सीक्रेट बैलट होगा या ओपन होगा, यह कहना मुश्किल है ।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, his statement about the agreement between all the trade unions is very deceiving. I should remind him, through you, Madam, that all the trade unions of this country except one trade union have agreed to this policy of secret ballot.

SOME HON. MEMBERS: No, no. (*Interruptions*).

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I seek your kind protection.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Protected.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, have I the freedom to speak or is it being taken away? Madam, if you will kindly protect me, then I should say that as far as my experience and knowledge goes all the trade unions of the country except one in the INTUC had agreed to this principle of secret ballot as the basis for the recognition of trade unions. Then, may I suggest, Madam, that it is because of the INTUC that our Labour Minister or the present Government is not agreeable to this suggestion of secret ballot? Secondly, Madam, I should request him to tell us why, when the same system is prevailing in Andhra Pradesh, the Bill that was passed by the United Front Government as far back as in 1969 has not yet been given assent by the President? Is it because the Cabinet has not yet given him the advice?

श्री टी० अंजैय्या : मैडम, यह जो प्रश्न है, इसमें आई०एन०टी०यू०सी० मेजर रिकाग्नाइज्ड बाडी है । जो मैम्बरशिप का वैरिफिकेशन किया गया है, उसमें आई०एन०टी० यू०सी० को 22 लाख से ज्यादा मैम्बरशिप मिली है, दूसरी ट्रेड यूनियंस हैं उनकी मेम्बरशिप बहुत कम है । तो आई० एन० टी० यू० सी० का रिकागनिशन सट्रैल लेवल पर किया गया है ।...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, it strengthens my point. He says that it is being vetoed by the INTUC. Let it be on record. (*Interruptions*).

श्री अश्विनी कुमार : फिगर्स बता दीजिए कितनी है मम्बरशिप ?

श्री टी० अंजैय्या : सब रेकार्ड में है, आप जानते हैं । हर जगह जो वैरिफिकेशन हुआ है, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और आंध्र में डिफरेंट एक्ट्स हैं जिनमें सभी लोगों का विचार है कि वही सिस्टम रहे । वह भी एक तरह से ओपन बलैट सिस्टम ही है । कोई यूनियन में जाकर लिखकर दे दे तो वह भी अच्छा सिस्टम है । सीक्रेट बैलट सिस्टम उसमें रखा गया है । इसमें अभी फाइनेल डिसीज़न क्या लेना चाहिए, इस पर विचार हो रहा है और गवर्नमेंट इस पर सही डिसीजन लेगी ।

श्री चतुरानन मिश्र: महोदया, यह ऐसा सवाल है जिसको लेकर अपने देश में भारी औद्योगिक अशान्ति मची हुई है और सरकार यह चाहती है कि वर्कस पार्टिसिपेशन इन मैनेजमेंट हो तो वह भी नहीं हो पा रहा है । बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार इसी के चलते ही रहा है । कोई मजदूर आपको उचित सहयोग नहीं कर सकता है । इसलिए मंत्री महोदय से मैं जानना चाहूंगा कि थोड़ी देर के लिए मान लिया जाए कि आई०एन०टी०यू०सी० मेजारिटी में है । तो क्या इसके चलते सीक्रेट बलेट नहीं होगा । आज कांग्रेस पार्टी बहुमत में है तो क्या गुप्त वोटिंग राइट खत्म हो जायेगा । यह तो सिद्धांत की बात है । अभी तो आप मेजारिटी में हैं । आप भी तो सीक्रेट

बैलेट के जरिये सदन में आए हैं तो क्या आप कह देंगे कि सीक्रेट बैलट नहीं चलेगा ? मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि सिद्धांत के रूप में जब इस देश ने तय किया है कि सारे देश का भार हम इलेक्टिड रिप्रजेन्टेटिव के हाथ में रहेगा जिसके मातहत आप यहां बैठे हुए हैं तो मजदूरों को यह अधिकार क्यों नहीं दिया जायेगा, इस पर स्पष्ट ढंग से कहिये ? यह सिद्धात की बात है ।

श्री टी० अन्जैय्या : यह जो सीक्रेट बलेट सिस्टम है, कुछ जगह हमने शुरू किया है । आन्ध्र प्रदेश में सीक्रेट बैलेट रखा गया है जिसमें नान मेम्बर ज्यादा पार्टीसिपेट करते हैं । अगर वोटर नहीं जायेगा या वह वोट नहीं देगा तो आप जानते हैं कि वह सिस्टम बिल्कुल बेकार बात हो जाती है । इसलिये हम सोच रहे हैं कि मेजोरिटी यूनियन अगर एबव 50 परसेंट रहे तो चैक-अप सिस्टम होगा और अगर एबव 50 परसेंट नहीं है तो सीक्रेट बैलेट चलेगा । होता क्या है कि यह सिस्टम लागू करने से तीन-चार लोग मिल कर, जब प्रेजीडेंट एक पार्टी का होता है, ज्वायंट सेक्रेटरी दूसरी पार्टी का होता है, दूसरे मेम्बर तीसरी पार्टी के होते हैं तो वे आपस में लड़ कर बठ जायेंगे । जब वे लड़ेंगे तो इससे मजदूरों की समस्या हल नहीं होगी । आप जानते हैं कि हमने दो-तीन जगह पर जहां यह किया है वहां प्रेजीडेंट एक पार्टी का है और ज्वायंट सेक्रेटरी दूसरी पार्टी का है । जब ऐसी हालत होती है तो उनमें कोई एग्रीमेंट नहीं होता और न ही कुछ काम होता है इसलिये अगर ट्रेड यूनियन को बिल्कुल पोलिटिकल किया जाये तो यह नाभुमकिन बात है । यह जो सोशियो-इकोनोमिक प्रोग्राम है इस में कोई न कोई सिस्टम निकलेगा तो हम उनके सामने डिसकस करेंगे ।

श्री चतुरानन मिश्र : मैंने जो प्रश्न पूछा था उसका जवाब नहीं आया ।

उपसभापति : जवाब आ गया है ।

श्री चतुरानन मिश्र : अगर आप यह समझती हैं कि जवाब आ गया है तो आपका धन्यवाद ।

श्री लक्ष्मी नारायण : क्या यह बात सही है कि जो चुनाव होने हैं उसके लिये सीक्रेट बैलेट का प्रोविजन भारत के विधान में रखा गया है जब कि ट्रेड यूनियन की रिकोगनिशन सीक्रेट बैलेट के द्वारा करने का विधान में कोई उल्लेख नहीं है यही कारण है कि जितने सेन्ट्रल ट्रेड यूनियन आर्गनाइजेशन हैं उन सब से राय पूछी जा रही है कि किस तरीके से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है ? क्या यह बात भी सही है कि अपनी तीन सेन्ट्रल आर्गनाइजेशन ह जिन्होंने अभी तक सीक्रेट बैलट के पक्ष में अपनी राय नहीं दी है ।

(Interruptions). Madam, he is not the Minister to reply. Please ask him not to interrupt like this. Let the Minister reply.

श्री टी० अन्जैय्या : उपसभापति महोदय, अभी सीक्रेट बैलेट के बारे में दो सेन्ट्रल ट्रेड यूनियन्स जो मज्योरिटी में ने, जिनकी मेम्बरशिप मेज्योरिटी में है वे इस पर अपोज कर रहे है । दूसरे जो माइनोरिटी के लिये रिकोगनिशन बोर्ड के है आल इंडिया लेवल पर :.....

श्री चतुरानन मिश्र दोनों के नाम बता दीजिये ।

श्री टी० अन्जैय्या : आप भी जानते है । हम भी जानते है क्या नहीं है और क्या है, यह सब जानते हैं **(व्यवधान)**. अभी तो इसमें कोई न कोई फाइनल डिसिजन नहीं है । सनत महत्ता कमेटी ने अपनी रिकमेंडेशन दी है । इन सबपर गवर्नमेंट जांच पड़ताल कर रही है । केबीनेट में कोई न कोई डिसिजन लेकर हाउस के सामने लायेंगे । इस पर बहुत जल्दी डिसिजन होने वाला है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Next question.

SHRI SUKOMAL SEN: What is this? I would like to ask a question.

DR. SHANTI G. PATEL: Let us have Half-an-Hour Discussion.

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right; ask for Half-an-Hour Discussion. (*Interruptions*). Don't say this party or that party; I am in the Chair and I don't belong to any party. Please sit down. Next question now.

Higher Free Sale Sugar Releases

263. SHRI VIRENDRA VERMA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that since 1976 Government have been giving concessions to the sugar mills covered under the sugar incentive scheme in the shape of higher free sale sugar releases; and

(b) if so, what are the names and locations of sugar mills in the country enjoying the concession since the inception of the scheme alongwith the quantity of sugar allotted to them under the scheme with approximate value for the last three years?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (RAO BIRENDRA SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) Two statements (one for expansion projects Statement-I and other for new factories Statement-II) showing the names and locations of the sugar factories together with sugar allotted to them under the incentive scheme for the last three sugar years, namely 1981-82 1982-83, and 1983-84 are laid on the Table of the Sabha, The scheme does not guarantee a specific amount of incentives to the factories but only envisages a higher quantum of free sale sugar over tne normal 35 per cent. The amount obtained will depend upon the prevailing market prices of free sale sugar which is subject to fluctuations day to day and from place to place.

Statement

Additional free sale sugar released under incentive scheme to sugar factories which have implemented licensed expansions

S.No.	Short name of factory and location	Quantity of additional free sale sugar released. (*Tonnes*)		
		1981-82 Season	1982-83 Season	1983-84 Season
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	Expansion Factories :			
1	Daurala, Distt. Meerut U.P.	..	4788·0	1858·5
2	Mawana, Distt. Meerut U.P.	..	5513·0	2498·2
3	Aira, Distt. Kheri, U.P.	997·5	598·5	336·3
4	Balrampur, Distt. Gonda, U.P.	1264·8	760·1	799·3
5	Captainganj, Distt. Deoria, U.P.	2925·4	3258·5	2252·4
6	Tulsipur, Distt. Gonda, U.P.	452·1	1163·8	..
7	Harinagar, Distt. Champaran, Bihar	..	4443·2	208·6
8	Rohtak, Distt. Rohtak, Haryana	419·5	1922·7	1245·4
9	Yamunanagar, Distt. Ambala, Haryana	6732·0	4896·4	4614·3